(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (DEPARTMENT OF HEAVY INDUSTRY) (SMT. KRISHNA SAHI): (a) to (c) The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

**Growth of paper industry**

428. SHRI P. UPENDRA: Will the PRIME MINISTER to pleased to state:

(a) whether it is a fact that the growth of paper industry in the country is highly disappointing;

(b) whether it is also a fact that the industry has suggested a suitable policy package in consonance with the new industrial policy; and

(c) if so, what is the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (DEPARTMENT OF HEAVY INDUSTRY) (SMT. KRISHNA SAHI): (a) There has been a steady growth in the Paper and Paper Board Industry. The Paper and Paper Board Industry is meeting the entire domestic demand and the imports are few, mainly restricted to some speciality papers such as art paper, cheque paper, photo-base paper, high strength craft paper, filter paper, cable and condenser paper, etc.

(b) and (c) There is constant interaction between the Government and the Industry and suitable policy measures are taken by Government whenever necessary.

**सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों के कार्य-निष्पादन को बेहतर बनाना**

429. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों के कार्य-निष्पादन को बेहतर बनाने के लिये किसी उपक्रम के संबंध में कोई कदम उठाये हैं;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार द्वारा इस संबंध में बनायी गई कार्यनीति का ब्यौरा क्या है?

**उद्योग मंत्रालय औद्योगिक विकास विभाग में राज्य मंत्री तथा उद्योग मंत्रालय (भारी उद्योग विभाग) में राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार (श्रीमती कृष्णा साही):** (क) से (ग) केन्द्रीय सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों के कार्य निष्पादन में सुधार करना एक सतत् प्रक्रिया है। सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों के प्रबंधकों और संबद्ध प्रशासनिक मंत्रालयों/विभागों द्वारा उद्यम विशेष की आवश्यकता अनुसार कार्रवाई की जाती है। उठाए गए सामान्य कदम इस प्रकार हैं:

(I) सरकारी क्षेत्र और अधिक उपक्रमों को समझौता ज्ञापन के विचार क्षेत्र में लाया गया है जिसका उद्देश्य कार्य-निष्पादन में सुधार करना है।

(II) 38 रुग्ण उपक्रमों को उनके पुनरुद्धार/पुनर्स्थापन संबंधी योजना बनाने हेतु औद्योगिक वित्तीय पुनर्गठन मण्डल को सौंप दिया गया।

(III) कार्य-निष्पादन में सुधार हेतु उठाए गए अन्य कदमों का विवरण 5.3.1992 को सभा पटल पर रखे गए लोक उद्यम सर्वेक्षण 1990-91 के खण्ड-I के अध्याय 9 के पैरा 15.1 (पृष्ठ सं० 165) में दिया गया है।

**हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन, हटिया की वित्तीय स्थिति**

430. **श्री गया सिंह:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन, हटिया की वित्तीय स्थिति क्या है और अप्रैल, 1992 से जनवरी, 1993 तक की अवधि में इस कंपनी को कितना लाभ या हानि हुई है;

(ख) सरकार इस उद्योग का विकास करने और इसे